अंक-6

स्वास्थ्य आपके द्वार...

मासिक न्यूज़लेटर | जून, 2026

अपर मुख्य सचिव की कलम से...

प्रिय पाठकगण,

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रकाशित विभागीय मासिक पत्रिका ''स्वास्थ्य आपके द्वार'' के इस विशेष अंक के माध्यम से आप सभी से संवाद स्थापित करते हुए मुझे प्रसन्नता हो रही है। उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को सुलभ, गुणवत्तापूर्ण एवं किफायती स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अंक की मुख्य विषय-वस्तु "जीवनशैली जनित रोग, हृदय रोग एवं STEMI (ST-Elevation Myocardial Infarction) प्रबंधन" है। वर्तमान समय में गैर-संचारी रोग (NCDs) वैश्विक एवं राष्ट्रीय स्तर पर बीमारी और मृत्यु के प्रमुख कारणों में शामिल हैं। अनियमित जीवनशैली, असंतुलित आहार, शारीरिक निष्क्रियता, तंबाकू सेवन तथा बढ़ते तनाव के कारण हृदय रोगों एवं अन्य जीवनशैली जनित रोगों का प्रभाव निरंतर बढ़ रहा है। इन चुनौतियों का प्रभावी समाधान केवल उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि जागरूकता, रोकथाम, शीघ्र पहचान एवं समयबद्ध उपचार सुनिश्चित करने में निहित है। प्रदेश में हृदयाघात जैसी आपातकालीन स्थितियों के प्रभावी प्रबंधन हेतु STEMI सेवाओं के सुदृढ़ीकरण, रेफरल तंत्र के सशक्तीकरण तथा संस्थागत क्षमताओं के विस्तार की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है।

यह अंक दो महत्वपूर्ण वैश्विक अवसरों-"विश्व रक्तदाता दिवस" तथा "अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस" के महत्व को भी रेखांकित करता है।

स्वैच्छिक रक्तदान मानव सेवा का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प उपलब्ध नहीं है, अतः सुरक्षित एवं पर्याप्त रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने में स्वैच्छिक रक्तदाताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। मैं प्रदेश के नागरिकों से नियमित एवं स्वैच्छिक रक्तदान को सामाजिक उत्तरदायित्व के रूप में अपनाने का आग्रह करता हूं।

इसी प्रकार, योग भारतीय ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर है। योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करता है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संतुलन एवं सकारात्मक जीवनशैली को भी प्रोत्साहित करता है साथ ही जीवनशैली जनित रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण में योग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

आइए, हम सभी स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने, योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा स्वैच्छिक रक्तदान को जन-आंदोलन का स्वरूप देने का संकल्प लें। जनसहभागिता, जागरूकता एवं सशक्त स्वास्थ्य व्यवस्था के माध्यम से ही हम स्वस्थ, समृद्ध एवं विकसित उत्तर प्रदेश के निर्माण के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।

इसी विश्वास के साथ, मैं "स्वास्थ्य आपके द्वार" के इस अंक के सफल प्रकाशन हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

सादर,

अमित कुमार घोष आई.ए.एस.
अपर मुख्य सचिव
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग
व चिकित्सा शिक्षा विभाग, उ.प्र.

मिशन निदेशक की कलम से...

प्रिय पाठकगण,

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रकाशित विभागीय मासिक पत्रिका "स्वास्थ्य आपके द्वार" के इस अंक में आप सभी का हार्दिक स्वागत है। स्वस्थ समाज ही समृद्ध राष्ट्र की आधारशिला है। वर्तमान समय में जीवनशैली में हो रहे परिवर्तनों के कारण गैर-संचारी रोग (Non-Communicable Diseases) जैसे-मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग तेजी से बढ़ रहे हैं। इस अंक में गैर-संचारी रोगों एवं हृदय रोगों की रोकथाम, नियंत्रण तथा STEMI (ST-Elevation Myocardial Infarction) प्रबंधन के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश द्वारा किए जा रहे प्रयासों, नवाचारों एवं उपलब्धियों को विशेष रूप से प्रस्तुत किया गया है।

इस अंक की मुख्य विषय-वस्तु "जीवनशैली जनित रोग, हृदय रोग एवं STEMI प्रबंधन" है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रदेश के नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण, सुलभ एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने हेतु गैर-संचारी रोगों की रोकथाम, शीघ्र पहचान, उपचार एवं निरंतर देखभाल को प्राथमिकता प्रदान की जा रही है। STEMI जैसी आपातकालीन स्थितियों में "गोल्डन ऑवर" के महत्व को ध्यान में रखते हुए राज्य में रेफरल तंत्र, आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं तथा संस्थागत क्षमताओं को सुदृढ़ किया जा रहा है, जिससे समय पर उपचार सुनिश्चित कर अधिकाधिक जीवन बचाए जा सकें। इस संबंध में समुदाय स्तर पर जागरूकता बढ़ाने के लिए व्यापक सूचना, शिक्षा एवं संचार गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं।

यह अंक दो महत्वपूर्ण वैश्विक अवसरों-विश्व रक्तदाता दिवस तथा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को भी समर्पित है। स्वैच्छिक एवं नियमित रक्तदान न केवल किसी जरूरतमंद को नया जीवन प्रदान करता है, बल्कि समाज में मानवीय संवेदनाओं एवं सामाजिक उत्तरदायित्व को भी सुदृढ़ करता है। मैं प्रदेशवासियों से अधिकाधिक स्वैच्छिक रक्तदान हेतु आगे आने का आह्वान करती हूँ। योग भारत की अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर है, जो शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य को संतुलित करने का प्रभावी माध्यम है।

आपके सुझाव एवं सहभागिता सदैव स्वागत योग्य हैं।

सादर,

डॉ. पिंकी जोवल आई.ए.एस.
मिशन निदेशक
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ.प्र.
व सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं
परिवार कल्याण विभाग, उ.प्र.

स्वस्थ जीवन के लिए योग

हृदय सेतु – STEMI केयर नेटवर्क, उत्तर प्रदेश

एक्यूट एसटी-एलिवेशन मायोकार्डियल इंफार्क्शन (STEMI) हृदय संबंधी आपात स्थितियों में से एक है, जो समय के प्रति अत्यधिक संवेदनशील और जीवन के लिए गंभीर खतरा होती है। भारत में STEMI, एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम का सबसे सामान्य रूप है, जिसमें मृत्यु दर काफी अधिक है। देश में प्रतिवर्ष लगभग 30 लाख और उत्तर प्रदेश में लगभग 5 लाख मामलों के साथ, STEMI उत्तर प्रदेश के लिए एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती है। समय पर पहचान और विशेषज्ञ हृदय उपचार की सीमित उपलब्धता के कारण यह उच्च मृत्यु दर और दीर्घकालिक विकलांगता का कारण बनता है।

उपचार में प्रगति के बावजूद, राज्य में बड़ी संख्या में STEMI रोगियों को कई बाधाओं का सामना करना पड़ता है, जैसे सीमित जागरूकता, लक्षणों की पहचान में देरी, परिधीय स्वास्थ्य संस्थानों में प्रशिक्षित कर्मचारियों की कमी, तथा प्रभावी रेफरल तंत्र का अभाव।

विशेष रूप से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचा अक्सर त्वरित ईसीजी (ECG) की व्याख्या करने, प्रारंभिक उपचार शुरू करने और रोगी को इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी सुविधाओं वाले उच्च केंद्रों तक समय पर पहुंचाने में सक्षम नहीं होता। इन व्यवस्थागत कमियों के कारण रीपरफ्यूज़न थेरेपी - चाहे **थ्रोम्बोलाइसिस (Thrombolysis)** हो या **प्राइमरी परक्यूटेनियस कोरोनरी इंटरवेंशन (PPCI)** - में गंभीर देरी होती है, जबकि यह रोगी की जान बचाने और जटिलताओं को कम करने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

इन चुनौतियों का समाधान करना रोकथाम योग्य मृत्यु को कम करने और हृदय संबंधी परिणामों में सुधार के लिए आवश्यक है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने, **महानिदेशक-प्रशिक्षण (उत्तर प्रदेश सरकार)** के नेतृत्व में, पूरे राज्य में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के सभी स्तरों पर तीव्र हृदय उपचार सेवाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से एक राज्यव्यापी परियोजना शुरू की है।

उत्तर प्रदेश STEMI केयर नेटवर्क:

उत्तर प्रदेश में STEMI केयर नेटवर्क को **हब-एंड-स्पोक मॉडल** के माध्यम से STEMI मामलों के प्रबंधन हेतु एक समन्वित और समयबद्ध देखभाल प्रणाली स्थापित करने के लिए तैयार किया गया है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश के विभिन्न सरकारी मेडिकल कॉलेजों में 12 कैथेटराइजेशन लैब (Cath Labs) संचालित हो रही हैं, जो पूरे राज्य में फैली हुई हैं। इससे इन PCI-सक्षम मेडिकल कॉलेजों (हब के रूप में कार्यरत) को आसपास के जिलों (स्पोक्स) से जोड़ने का अवसर मिला है।

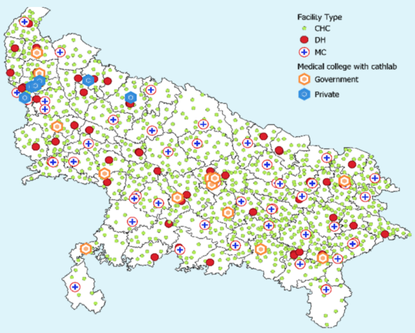

HRIDAY SETU
STEMI CARE UP
गांव से शहर तक, हर दिल की सुरक्षा
An Initiative of UP Government

यह मॉडल सभी परिधीय स्पोक अस्पतालों को उनके निकटतम कैथ लैब युक्त सरकारी मेडिकल कॉलेजों से **व्हाट्सएप (WhatsApp)** के माध्यम से जोड़ता है, ताकि हब विशेषज्ञों द्वारा शीघ्र निदान किया जा सके और PCI सेवाओं के लिए समय पर रेफर किया जा सके।

सभी स्पोक अस्पताल अपनी चिकित्सा इकाइयों पर आने वाले मरीजों की पहचान करते हैं, जिन्हें सीने में दर्द अथवा संदिग्ध मायोकार्डियल इन्फॉर्क्शन (MI) की समस्या होती है। और उन्हें STEMI देखभाल के लिए निर्धारित आपातकालीन बेड तक तुरंत पहुंचाते हैं। इसके बाद तुरंत ईसीजी किया जाता है और संबंधित हब अस्पताल को मूल्यांकन हेतु भेजा जाता है। मेडिकल कॉलेजों के कार्डियोलॉजिस्ट द्वारा निदान की पुष्टि होने के बाद, आवश्यकता पड़ने पर थ्रोम्बोलाइसिस किया जाता है। इसके बाद मरीज को आगे की जांच और आवश्यकता अनुसार PCI सेवाओं के लिए हब अस्पताल भेजा जाता है।

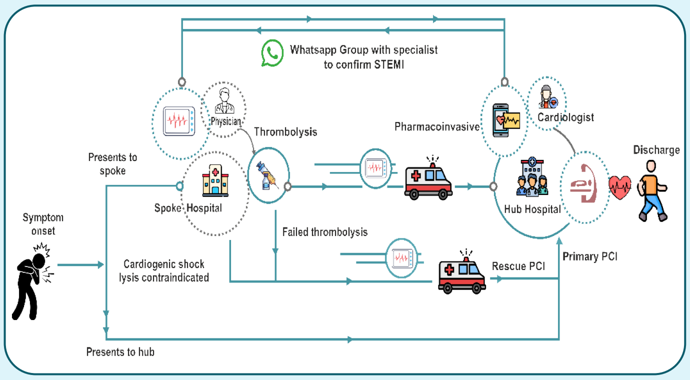

वर्तमान स्थिति:

यह कार्यक्रम वर्ष 2025-26 में एक वर्ष की अवधि में **12 हब और 469 स्पोक्स** में संचालित किया जा रहा है। अब तक स्पोक संस्थानों में सीने में दर्द के मामलों में लगभग **2 लाख ईसीजी** किए जा चुके हैं, **3000 STEMI मामलों** की पहचान की गई है, तथा **1780 से अधिक मरीजों** को स्पोक स्तर पर थ्रोम्बोलाइसिस दिया गया है।

एम्स गोरखपुर में स्वैच्छिक रक्तदाताओं एवं सहयोगी संगठनों का सम्मान समारोह एवं रक्तदान शिविर का आयोजन

विश्व थैलेसीमिया दिवस पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन

विश्व थैलेसीमिया दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान को प्रोत्साहित करने तथा थैलेसीमिया से पीड़ित मरीजों के लिए सुरक्षित एवं पर्याप्त रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन राज्य कार्यक्रम प्रबंधन इकाई (SPMU) कार्यालय में किया गया। कार्यक्रम में मिशन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए स्वैच्छिक रक्तदान किया तथा समाज में रक्तदान के महत्व एवं मानव सेवा की भावना को सशक्त बनाने का संदेश दिया।

रक्तदान शिविर का आयोजन राजकीय रक्त केंद्र, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ के सहयोग से संपन्न हुआ। शिविर के दौरान कुल 71 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया, जो भविष्य में जरूरतमंद मरीजों, विशेष रूप से थैलेसीमिया से प्रभावित बच्चों एवं अन्य गंभीर रोगियों के उपचार में उपयोगी होगा। शिविर में विभिन्न दुर्लभ रक्त समूहों का संग्रह भी किया गया, जिनमें ओ निगेटिव रक्त समूह का प्रथम बार रक्तदान विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। इसके अतिरिक्त ए निगेटिव की 01 यूनिट, बी निगेटिव की 02 यूनिट तथा एबी पॉजिटिव की 05 यूनिट रक्त भी एकत्रित किया गया।

इस अवसर पर डॉ. सूर्यांशु ओझा, महाप्रबंधक (प्रभारी), स्टेट ब्लड सेल ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि रक्त का कृत्रिम निर्माण संभव नहीं है। आवश्यकता के समय मरीजों को रक्त तभी उपलब्ध हो सकता है, जब अधिक से अधिक स्वस्थ नागरिक स्वेच्छा से नियमित रक्तदान करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति द्वारा समय-समय पर किया गया रक्तदान अनेक लोगों के जीवन की रक्षा कर सकता है तथा समाज में सेवा और संवेदनशीलता की भावना को सुदृढ़ करता है।

शिविर में मातृ स्वास्थ्य अनुभाग के परामर्शदाता श्री प्रभाकर तिवारी तथा श्री अरुणेश तिवारी सहित अनेक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वैच्छिक रक्तदान कर अन्य लोगों को भी इस पुनीत कार्य के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने बताया कि थैलेसीमिया एक गंभीर आनुवांशिक रक्त

विकार है, जिसके रोगियों को नियमित अंतराल पर रक्त चढ़ाने की आवश्यकता होती है। ऐसे में स्वैच्छिक रक्तदान न केवल इन मरीजों के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, बल्कि समाज में परोपकार, सहयोग एवं मानवता की भावना को भी सुदृढ़ करता है।

इस अवसर पर महाप्रबंधक (मुख्यालय) डॉ. लक्ष्मण सिंह ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति का रक्तदान किसी जरूरतमंद के लिए जीवनदायी सिद्ध हो सकता है। कार्यक्रम के माध्यम से **"रक्त का नहीं कोई विकल्प - रक्तदान का लें संकल्प"** का संदेश देते हुए सभी से नियमित एवं स्वैच्छिक रक्तदान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया गया।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश द्वारा राज्य एवं जनपद स्तर पर योग दिवस 2026 का व्यापक आयोजन

योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के मध्य सामंजस्य स्थापित करने वाली एक समग्र जीवन-पद्धति है। स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पूरे विश्व में "Yoga for Healthy Ageing" की थीम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश द्वारा राज्य मुख्यालय से लेकर जनपद स्तर तक व्यापक जनभागीदारी के साथ विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

योग: स्वस्थ जीवन का आधार

आधुनिक जीवनशैली, बढ़ते तनाव, अनियमित दिनचर्या और गैर-संचारी रोगों (NCDs) की बढ़ती चुनौतियों के बीच योग एक प्रभावी, सरल एवं वैज्ञानिक समाधान के रूप में उभरा है। नियमित योगाभ्यास न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि मानसिक शांति, भावनात्मक संतुलन, कार्यक्षमता और सकारात्मक सोच को भी बढ़ावा देता है। विशेष रूप से वृद्धावस्था में योग शरीर की लचीलापन, संतुलन क्षमता, श्वसन स्वास्थ्य तथा मानसिक सक्रियता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

इन्हीं लाभों को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष की थीम "Yoga for Healthy Ageing" के माध्यम से समाज के सभी आयु वर्गों, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों को नियमित योगाभ्यास के लिए प्रेरित किया गया।

राज्य मुख्यालय में हुआ भव्य आयोजन

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश के राज्य कार्यक्रम प्रबंधन इकाई (SPMU) कार्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश, डॉ. पिंकी जोवेल की गरिमामयी उपस्थिति में अत्यंत उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में किया गया।

इस अवसर पर विभागाध्यक्षों, राज्य स्तरीय अधिकारियों, परामर्शदाताओं एवं कर्मचारियों ने सामूहिक योगाभ्यास में सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान विभाग के प्रशिक्षित योग प्रशिक्षक श्री अरुण श्रीवास्तव द्वारा विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया गया।

उन्होंने प्रतिभागियों को ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, वज्रासन, त्रिकोणासन, अनुलोम-विलोम, कपालभाति तथा ध्यान जैसी गतिविधियों का अभ्यास कराते हुए इनके स्वास्थ्य लाभों की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि नियमित योगाभ्यास जीवनशैली जनित रोगों जैसे मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा, हृदय रोग तथा तनाव संबंधी विकारों की रोकथाम में अत्यंत सहायक सिद्ध होता है।

मिशन निदेशक महोदया ने अपने संबोधन में कहा कि योग भारत की सांस्कृतिक विरासत होने के साथ-साथ स्वास्थ्य संवर्धन का सशक्त माध्यम है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा समाज में इसके प्रति जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

जनपदों में व्यापक जनभागीदारी

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रदेश के सभी जनपदों में जिला चिकित्सालयों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों (CHC), प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों (PHC), शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों (UPHC), आयुष्मान आरोग्य मंदिरों तथा अन्य स्वास्थ्य संस्थानों में विशेष योग सत्र आयोजित किए गए।

इन कार्यक्रमों में मुख्य चिकित्साधिकारी, चिकित्सा अधीक्षक, चिकित्साधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (CHO), एएनएम, आशा कार्यकर्ता, स्वास्थ्यकर्मी, स्वयं सहायता समूहों के सदस्य, स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने भाग लिया।

योग प्रशिक्षकों एवं आयुष विभाग के विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया गया तथा योग के वैज्ञानिक एवं चिकित्सीय लाभों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कई जनपदों में प्रातःकालीन सामूहिक योग कार्यक्रमों के साथ-साथ जागरूकता रैलियों, स्वास्थ्य परामर्श सत्रों एवं सामुदायिक संवाद कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की महत्वपूर्ण भूमिका

प्रदेश के आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में आयोजित योग दिवस कार्यक्रमों ने समुदाय स्तर पर स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन केंद्रों पर समुदाय आधारित योग सत्र आयोजित किए गए, जिनमें महिलाओं, किशोर-किशोरियों, वरिष्ठ नागरिकों तथा स्थानीय समुदाय के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा प्रतिभागियों को यह संदेश दिया गया कि योग केवल बीमारी होने पर उपचार का साधन नहीं है, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का एक प्रभावी माध्यम है। लोगों को प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट योग करने तथा संतुलित आहार एवं नियमित शारीरिक गतिविधियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून, 2026 को मिशन निदेशक महोदया द्वारा राज्य कार्यक्रम प्रबंधन इकाई (SPMU) कार्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास एवं स्वच्छ वातावरण के प्रति जागरूकता और जनभागीदारी का संदेश दिया गया।

उत्तर प्रदेश शासन | राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश | सहयोग: UP-TSU ihat